RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 8 अंक : 06 लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2024 से 5 जनवरी 2025 पृष्ठ : 12 मूल्य : 10 रूपये

SIGMA F1.4 primes for Canon RF Mount

MADE IN AIZU, JAPAN

- C 16mm F1.4 DC DN
- C 23mm F1.4 DC DN
- C 30mm F1.4 DC DN
- C 56mm F1.4 DC DN

Authorised Importers and Distributors: Shetala Agencies Pvt Ltd

Chennai - 7305043994, Bangalore – 9900015547, Kerala – 9176669842, Mumbai – 9619825776, Delhi - 8105409366, Kolkatta - 9830375753, Hyderabad – 9700885776

Authorised Service Centres: SOUTH: Chennai, Shetala Cameras 9444401805, Camera Service Centre : 8056151501
Bangalore: Shetala Cameras 9900015547, Sri Benaka Enterprises: 9620086170, Kerala Camera Scan: 9447212721, Hyderabad: Shetala Camera: 9700888576, Sri Venkateswara Electronics 9912709000,
WEST: Prabhakar Service Centre, Mumbai 9167110317, J.K.Electronics: 9819046288, **EAST:** Capital Enterprise (P) Ltd, Kolkatta 033-22282020. **NORTH:** Omax Camera Care, Delhi. 9810965674

www.sigmaindia.in

0% INTEREST BAJAJ FINSERV
ATTRACTIVE EMI OPTIONS
6/0 8/0 12/4

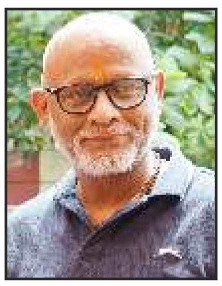

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर साथियो,

स्टूडियो न्यूज़ के दिसंबर 2024 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। 2025 बाहें फैला कर सभी का स्वागत करने को आतुर है, साथ ही 2024 वर्ष अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है, पूरे साल की खट्टी-मीठी यादें हमारे जेहन में हैं। हमने फोटोज़ और वीडियोज़ के माध्यम से कई यादगार पलों को सजीव कर लिया है। किसी ने सही कहा है कि समय और बहता हुआ पानी कभी वापस लौट कर नहीं आता लेकिन फोटोग्राफी ही एक ऐसी विधा है जिसके द्वारा हम अपने बीते हुए समय को दोबारा जी लेते हैं या यूं कहे कि वर्तमान टाइम जोन से निकल कर भूतकाल के टाइम जोन में पहुंच जाते हैं। जीने के लिए पुरानी यादें और भविष्य के प्रति आशा व्यक्ति को जीने की दिशा देती है।

2024 का वर्ष तकनीकी प्रगति और रचनात्मकता के एक अद्भुत संगम का साक्षी रहा है। फोटोग्राफी का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है, और नवीनतम रूझानों को अपनाना अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

2024 की शुरूआत में, यह माना जाता था कि DSLR और कॉम्पैक्ट कैमरे या तो चलन से बाहर हो रहे हैं या चलन से बाहर हो चुके हैं। व्लॉगिंग की मार्केट डेवलप होने से कॉम्पैक्ट कैमरों ने एक स्मार्ट पुनरूत्थान किया है। अचानक, व्लॉगिंग की मार्केट में जिस तरह से तेज़ी आयी है उससे अन्य कैमरा निर्माताओं ने कॉम्पैक्ट कैमरों पर विकास कार्य फिर से शुरू कर दिया है। कॉम्पैक्ट कैमरों में व्लॉगिंग के हिसाब से कैमरा निर्माताओं ने तकनीकी रूप से बदलाव भी किये हैं जो उन्हें पहले से उत्कृष्ट बनता है। यह दर्शाता है कि एक मृत माने जाने वाले बाजार को पुनर्जीवित करने के लिए केवल एक नयी सोच एवं उत्कृष्ट उत्पाद की आवश्यकता है।

मिररलेस मार्केट मजबूत बना हुआ है और कैमरा कंपनियों ने प्रभावशाली बिक्री और मुनाफा हासिल किया है। मिररलेस कैमरों का विश्व बाजार बहुत बड़ा है, आने वाले समय में ये और विकसित होगा ऐसा अनुमान है। लेंस कंपनियों ने भी बहुत तेज़ी से मिररलेस कैमरों के लिए उत्पाद बनाने शुरू कर दिए हैं। मिररलेस कैमरों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए बहुत सी लेंस कंपनियों ने ग्लोबल सप्लाई चैन विकसित कर ली है। इमेजिंग उद्योग 2025 में बहुत तेज़ी से विकसित करेगा ऐसा अनुमान है।

2024 में बहुत से बदलाव हुए और उन्ही का नया वर्जन 2025 में देखने को मिलेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) ने फोटोग्राफी के परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया है। AI-संचालित इमेज जनरेशन टूल्स ने रचनात्मकता की सीमाओं को विस्तारित किया है, जबकि AI-सहायता प्राप्त एडिटिंग ने कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित किया है। हालांकि, इस तकनीकी क्रांति के साथ नैतिक चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। डीपफेक और AI-जनित सामग्री के दुरुपयोग की संभावना को ध्यान में रखते हुए, फोटोग्राफरों को जिम्मेदारी से कार्य करना आवश्यक है।

मेटावर्स और वर्चुअल फोटोग्राफी एक उभरता हुआ क्षेत्र है। 360-डिग्री कैमरों और वर्चुअल रियलिटी अनुभवों की बढ़ती लोकप्रियता ने फोटोग्राफी की परिभाषा को पुनर्परिभाषित किया है। NFT फोटोग्राफी ने कलाकारों को अपने काम को डिजिटल रूप से बेचने का एक नया अवसर प्रदान किया है।

सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ, फोटोग्राफी एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। फोटोग्राफरों को अपने काम के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

तकनीकी प्रगति के साथ-साथ, पारंपरिक फोटोग्राफी भी विकसित हो रही है। मिररलेस कैमरों का उदय जारी है, और नए लेंसों के विकास ने फोटोग्राफरों को अधिक रचनात्मक विकल्प प्रदान किए हैं। ड्रोन फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की लोकप्रियता बढ़ रही है, जिससे नए दृष्टिकोण और कहानियां सामने आ रही हैं। इस तेजी से बदलते परिदृश्य में, फोटोग्राफरों को लगातार सीखते रहना और अपने कौशल को अपडेट करते रहना महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग करके दर्शकों तक पहुंचना और ब्रांडिंग करना तथा नए उपकरणों और तकनीकों को अपनाने के साथ-साथ, पारंपरिक फोटोग्राफी के मूल्यों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

अंत में हम सभी पाठकों का आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि आप इस अंक का आनंद लेंगे तथा इससे कुछ नया सीखेंगे। शेष अगले अंक में। आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

इमेजिंग उद्योग के सभी साथियो के लिए एक सुखी और समृद्ध 2025!

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

World's Leading Consumer Electronic Imaging Show
CONSUMER ELECTRONIC IMAGING FAIR 2025
Capture Every Moment of Life
At Pragati Maidan, Hall No. 11, New Delhi
9 10 11 January 2025 - Time: 10.30am to 6.30pm
ORGANIZED BY
ALL INDIA PHOTOGRAPHIC TRADE AND INDUSTRY ASSOCIATION®
C-3,Taj Building, 1st Floor, 210, Dr. D. N. Road, Fort, Mumbai - 400 001. India.
Tel.: +91 22 22076201/02 Email: info@aiptia.org Website: www.aiptia.org

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Laowa का Laowa 12-24mm f/5.6 ज़ूमिंग शिफ्ट लेंस अब चीन के बाहर भी पा सकेंगे

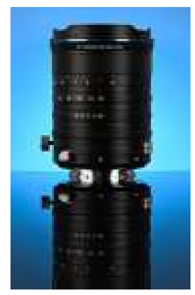

12-24mm F5.6 लेंस असामान्य है - कंपनी का कहना है कि यह "पहला वाइड-एंगल ज़ूम शिफ्ट लेंस" है, जो आपको एकल फ़ोकल लंबाई में बंद हुए बिना परिप्रेक्ष्य पर नियंत्रण देता है। यह अभूतपूर्व लेंस उन फोटोग्राफरों के लिए तैयार किया गया है जो सटीकता और रचनात्मकता की मांग करते हैं, यह अल्ट्रा-वाइड ज़ूम और शिफ्ट क्षमताओं का एक अनूठा संयोजन प्रदान करता है। विस्तृत परिदृश्य, जटिल वास्तुशिल्प विवरण और दोषरहित अंदरूनी भाग को कैप्चर करने के लिए बिल्कुल सही है।

हैसलब्लैड XCD 75mm F3.4 P : मीडियम फॉर्मेट के लिए एक कॉम्पैक्ट शॉर्ट पोर्ट्रेट लेंस

Hasselblad XCD 3,4/75P एक मानक लेंस है जिसकी 59mm समतुल्य फ़ोकल लंबाई है, जो शक्तिशाली प्रदर्शन को हल्के और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन के साथ जोड़ता है जो पोर्ट्रेट और स्ट्रीट फ़ोटोग्राफ़ी के लिए आदर्श है। यह न केवल अपनी असाधारण ऑप्टिकल गुणवत्ता के साथ आपके काम के आकर्षण को बढ़ाता है बल्कि आपके शूटिंग अनुभव में हल्कापन का एक अनूठा स्पर्श भी जोड़ता है।

7Artisans ने 10mm F2.8 II फुल-फ्रेम फिशआई लेंस की घोषणा की

7Artisans ने 10mm F2.8 II की घोषणा की है, जो कैनन RF, Nikon Z, Sony E और L-माउंट कैमरा सिस्टम के लिए एक फुल-फ्रेम फिशआई लेंस है, जो कंपनी के मौजूदा 10mm F2.8 लेंस की जगह लेता है। 7आर्टिसन्स का सुझाव है कि यह लेंस लैंडस्केप, आर्किटेक्चर और एस्ट्रोफोटोग्राफी जैसे अनुप्रयोगों के लिए बहुत अच्छा है।

FUJIFILM अपने पहले सिनेमा कैमरे में GFX100 II का विशाल सेंसर लगा रहा है

FUJIFILM ने घोषणा की है कि वह वर्तमान में अपना पहला फिल्म निर्माण कैमरा, "FUJIFILM GFX ETERNA" (GFX ETERNA) विकसित करने की प्रक्रिया में है, जिसे 2025 में जारी करने की योजना है। "GFX ETERNA" में एक बड़े प्रारूप सेंसर, "GFX 102MP CMOS II HS" होगा, जो कि 35 मिमी सेंसर से लगभग 1.7 गुना बड़ा है, और हाई-स्पीड इमेज प्रोसेसिंग इंजन "X-प्रोसेसर 5" है, जो फिल्म निर्माताओं को समृद्ध, वास्तविक दृश्यों को कैप्चर करने और पोस्ट-प्रोडक्शन में लचीलेपन को बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

Meike का नया 85mm ऑटोफोकस F1.8 लेंस सोनी, निकॉन और L-माउंट के लिए उपलब्ध है

Meike ने 85mm F1.8 Pro की घोषणा की है, जो निकॉन Z-माउंट, सोनी E-माउंट और L-माउंट कैमरों के लिए एक फुल-फ्रेम ऑटोफोकस लेंस है।

Meike की नई पेशकश में मैनुअल अपर्चर रिंग शामिल है और इसका ऑप्टिकल फॉर्मूला अलग है। Meike का (और भी ज़्यादा) बजट विकल्प 6 समूहों में 9 तत्वों से बना है, जबकि नए प्रो मॉडल में 8 समूहों में 11 तत्व हैं। प्रो में न्यूनतम अपर्चर F16 है, जबकि नियमित मॉडल F22 तक रूक सकता है।

सिग्मा ने चार नए APS-C प्राइम के साथ कैनन RF-माउंट लेंस लाइनअप का विस्तार किया

कंपनी ने 16mm F1.4 DC DN, 23mm F1.4 DC DN, 30mm F1.4 DC DN और 56mm F1.4 DC DN का निर्माण किया है। सिग्मा ने इनमें से चार लेंसों की कीमत और उपलब्धता की घोषणा की है: 16mm F1.4 DC DN, 23mm F1.4 DC DN, 30mm F1.4 DC DN और 56mm F1.4 DC DN कैनन के APS-C कैमरों पर, लेंस क्रमश: 26mm, 37mm, 48mm और 90mm की पूर्ण-फ्रेम समतुल्य फ़ोकल लंबाई प्रदान करते हैं।

सोनी का नया 28-70mm F2 GM ज़ूम लेंस कम रोशनी वाले स्थानों के लिए है

सोनी ने 28&70mm F2 G मास्टर पेश किया है, जो सोनी E-Mount लाइनअप में निरंतर F2 अपर्चर और 77वें लेंस वाला पहला सोनी ज़ूम लेंस है। यह फुल-फ्रेम लेंस 28mm से 70mm तक की बहुमुखी फोकल रेंज प्रदान करता है, जबकि इसके निरंतर F2 अपर्चर के साथ प्राइम-लाइक 2 बोकेह प्रदान करता है। अपने विस्तृत अपर्चर और ज़ूम रेंज के बावजूद, 28-70mm F2 G मास्टर कॉम्पैक्ट, हल्का और संतुलित बना हुआ है, जो इसे फ़ोटोग्राफ़ी और वीडियो दोनों के लिए आदर्श बनाता है। ज़ूम रेंज, बड़े अपर्चर और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन का यह संयोजन इसे पोर्ट्रेट, खेल, शादी, इवेंट और वीडियो पेशेवरों के लिए एक अभिनव और बहुमुखी लेंस बनाता है।

Tamron के 70-180mm F2.8 G2 को 120fps सपोर्ट मिलता है - लेकिन केवल कुछ मोड में

Tamron ने 70-180mm F2.8 Di III VC VXD G2 लेंस के लिए फर्मवेयर अपडेट की घोषणा की है, जो सोनी ɑ9 III के 120fps मोड के लिए समर्थन जोड़ता है। हालाँकि, कई फर्स्ट-पार्टी सोनी लेंस के विपरीत, टैमरॉन केवल सिंगल AF, डायरेक्ट मैनुअल फ़ोकस या मैनुअल फ़ोकस मोड में 120fps पर शूटिंग का समर्थन करता है। यह निरंतर ऑटोफ़ोकस में ऐसा करने का समर्थन नहीं करता है।

Tamron ने अपने पहले Canon RF माउंट लेंस 11-20mm F2.8 Di III-A RXD लॉन्च किया

Tamron ने अपने पहले RF माउंट लेंस की घोषणा की है, जिसका नाम 11-20mm F2.8 Di III-A RXD है। यह लेंस खासतौर पर Canon RF माउंट कैमरों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह अल्ट्रा-वाइड-एंगल ज़ूम लेंस 11-20mm की फोकल लंबाई के साथ आता है, जो लैंडस्केप, आर्किटेक्चर, और एस्ट्रोफोटोग्राफी जैसे फोटोग्राफी स्टाइल के लिए बेहतरीन है। F2.8 का चौड़ा अपर्चर लो-लाइट परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करता है और बैकग्राउंड को खूबसूरती से ब्लर करता है। एपीएस-सी मिररलेस कैमरों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया यह लेंस हल्का और पोर्टेबल है, जो इसे ट्रैवल फोटोग्राफी के लिए परफेक्ट बनाता है। जिसकी लंबाई केवल 84.2 मिमी (3.3 इंच) और वजन 340 ग्राम (12 औंस) है, जिससे आप बिना वजन की चिंता किए, आप तस्वीरों की हैंडहेल्ड शूटिंग और एक कॉम्पैक्ट ट्राइपॉड या गिम्बल का उपयोग करते समय भी वीडियो शूट करने में सहज महसूस करेंगे।

Samyang ने Sony के लिए अपना नया third-gen का पहला प्राइम लेंस, AF 35mm F1.4 P, लॉन्च किया

Samyang ने अपना नया कैमरा लेंस, AF 35mm F1.4 P, लॉन्च किया है। यह third-gen का पहला लेंस है। यह ऑटोफोकस फुल-फ्रेम लेंस सोनी के E-माउंट कैमरों के साथ काम करता है। यह लेंस छोटा और हल्का है, और कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें ले सकता है। हालांकि, यह सोनी के अपने 35mm F1.4 GM लेंस से थोड़ा बड़ा है, लेकिन काफी हल्का है। यह सैम्यंग के पुराने 35mm F1.4 II लेंस से भी काफी छोटा और हल्का है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2024 से 5 जनवरी 2024

कैमरे का शटर खोलने से पहले ठीक से सोचना और देखना चाहिए क्योंकि वास्तव में दिल और दिमाग कैमरे का असली लेंस होता हैं। - यूसुफ कार्श

फूड फोटोग्राफी में स्टाइलिंग का महत्व

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

Pic-1

Pic-2

Pic-3

Pic-4

खाद्य जगत में मशहूर वाक्य 'We eat with our eyes first अर्थात हम पहले अपनी आँखों से खाते हैं' की अहमियत इस बात से भली भांति लगायी जा सकती है कि आज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर दिखने वाला हर एक फ़ूड कंपनी या रेस्टोरंट का विज्ञापन न सिर्फ हमें अपने तरफ आकर्षित करता है बल्कि हमारी इन्द्रियों को सक्रिय कर हमें उस खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। कभी सोचा है इस पूरे क्रम में सबसे ज़्यादा महत्त्व किसका है- आप में से ज़्यादातर लोग उस विज्ञापन में लगी फोटो और खींचने वाले फोटोग्राफर को ही संपूर्ण श्रेय देंगे, पर उस प्रोडक्ट को आकर्षक बनाने में फोटोग्राफर के अलावा और भी किसी का योगदान रहता है। यह योगदान होता है एक प्रोफेशनल फूड स्टाइलिस्ट का, जो कि खाने को ख़ास कैमरे के लिए तैयार करता है और उन सभी बारीकियों का ख्याल रखता है ताकि वह फोटो में सम्पूर्णतः जीवंत लगे। खाने के आलावा उपयुक्त क्राकरी और बैकग्राउंड का चुनाव का ज़िम्मा भी उसी का होता है। कई बार फ़ूड को खूबसूरत बनाने के लिए वह अखाद्य पदार्थो का भी प्रयोग करता है ताकि कई घंटो तक वह खाना तरो ताज़ा दिखाई पड़े।

किसी रेस्टोरेंट में सर्व होने वाले फ़ूड और होर्डिंग में दिखने वाली उसी की फोटो के अंतर से तो आप सभी वाकिफ ही है - उदाहरण के तौर पे याद करे उस बर्गर को जो आप ने पिछली बार किसी नामी फ़ास्ट फ़ूड चेन में आर्डर किया था और फिर तुलना करे उसकी वहाँ के मेनू या डिस्प्ले बोर्ड पे दिखने वाली उसकी फोटो से - शेफ द्वारा बनाया हुआ स्वादिस्ट बर्गर और स्टाइलिस्ट द्वारा बनाया गया खूबसूरत बर्गर के बीच अब आपको अंतर बखूबी समझ आ जायेगा।

अक्सर लो बजट शूट्स में एक अलग स्टाइलिस्ट को हायर करना काफी कठिन होता है, ऐसे समय में फोटोग्राफर को यदि कुछ बेसिक स्टाइलिंग का ज्ञान हो तो काम करना न सिर्फ आसान रहता है बल्कि कई बार कुछ जटिल शॉट्स में शेफ या कुक को भी कुछ टिप्स देकर शॉट को सराहनीय बनाया जा सकता है। इस लेख में हम कुछ स्टाइलिंग टिप्स और टेक्निक्स के साथ-साथ प्रॉप्स सिलेक्शन की भी बात करेंगे।

प्लानिंग - किसी भी फोटो को शूट करने के पहले उसके थीम को समझना बहुत ज़रूरी है। बड़े बजट के शूट्स में यह कार्य एडवरटाइजिंग एजेंसी के आर्ट डायरेक्टर की सूझ-बूझ से आसान हो जाता है, पर कम बजट शूट्स में यह कार्य भार भी फोटोग्राफर पर ही होता है। ऐसे में क्लाइंट के द्वारा दिए गए ब्रीफ को समझना, शूट होने वाले फ़ूड के लुक और टेक्सचर से वाकिफ होना, उसके उपयोगकर्ता की उम्र और पसंद को जानना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। प्लानिंग के दौरान यह सब चीज़ो को लिख लें और निम्नलिखित पॉइंट्स को ध्यान में रखते हुए एक स्टोरी बोर्ड या रफ़ लेआउट बना ले और उसी के अनुसार शूट वाले दिन के लिए पहले से ही सब सामान तैयार रखे ताकि शूट करने में न सिर्फ समय की बचत हो परन्तु सब्जेक्ट की ताज़गी भी बनी रहे। Pic 1-2 (रफ़ लेआउट - फाइनल शॉट)

मूड- अलग-अलग स्टाइलिंग द्वारा एक ही सब्जेक्ट को कई मूड्स में खींचा जा सकता है। Pic 3 में जहाँ हल्के रंग का बैकग्राउंड, अंडे और साइड से आ रही सॉफ्ट लाइट गर्मी की एक सुबह का मूड दर्शाती हैं वहीं Pic 4 में वही मफिन लकड़ी की ट्रे और नैपकिन के साथ अलग मूड दर्शाते हैं।

बैकग्राउंड - प्रॉप्स : फूड स्टाइलिंग में बैकग्राउंड और प्रॉप्स बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। शुरूवात करने के लिए कुछ रंगबिरंगे कागज़, अच्छे टेक्सचर वाले लकड़ी के टुकड़े, प्लेन या हल्के डिज़ाइन वाले टेबल मैट्स या पेंट किये हुए गहरे रंग के कैनवास आप सब्जेक्ट, मूड और थीम को ध्यान में रखते हुए चयन कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर Pic-5 में कई रंगो का समन्वय और Pic-6 में हरे लाल का कंट्रास्ट देख कर के आप स्वतः ही होली और क्रिसमस का अंदाज़ लगा सकते हैं। फीके पड़ चुके एल्युमीनियम या लोहे के टुकड़े या पुरानी दीवारों के टेक्सचर भी अच्छी बैकग्राउंड का काम करते हैं। बैकग्राउंड चुनते समय हमेशा फ़ूड या सब्जेक्ट के रंग और टेक्सचर का ध्यान रखें। न्यूट्रल रंग जैसे सफ़ेद, काला, भूरा या ग्रे का चयन शुरूवाती दौर के लिए बहुत सहायक रहता है।

बैकग्राउंड के साथ-साथ फ़ूड रखने के लाये उपयुक्त बर्तन या क्राकरी का चयन भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। सफ़ेद रंग की क्राकरी (Pic-7) के साथ शुरू करके धीरे-धीरे आप रंग बिरंगी या एंटीक दिखने वाली क्राकरी को भी उपयोग में ला सकते हैं। चीनी-मिटटी, टेराकोटा, मैट फिनिश वाले धातु के बर्तन, कांच या कोई भी अन्य मैटेरियल ले सकते हैं, बस शूट करते समय उसका फ़ूड से तालमेल बनायें रखें।

सही प्रॉप्स का चयन शुरूवाती दौर में थोड़ा मुश्किल ज़रूर लगेगा परन्तु समय के साथ यह स्वतः आसान प्रतीत होने लगेगा। शूट होने वाले फ़ूड की रेसिपी में इस्तेमाल हुई सामग्री, जैसे उसमें पड़े मसाले, सब्ज़ियाँ या उसके साथ खाने या पीने वाले अन्य खाद्य पदार्थ या पेय को भी आप प्रॉप्स की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। ज़रूरत के हिसाब से कुछ फूल, कटलरी इत्यादि भी फ्रेम में रख सकते हैं बस यह ध्यान रखें कि यह अतिरिक्त वस्तुएं मुख्य सब्जेक्ट से ज़्यादा ध्यान न खीचें। उदाहरण के तौर पर Pic-8 में सफ़ेद पेंट किये हुए लकड़ी के फट्टे और नैपकिन जहाँ अच्छी बैकग्राउंड का लुक देते हैं वहीं मिटटी का बर्तन और उसमें रखा पारम्परिक व्यंजन और साथ में रखी उसी में इस्तेमाल हुई कुछ सामग्री पिक्चर को परिपूर्ण करती हैं।

कई बार पिक्चर में हाथ, धुएं, कुछ गिरे हुए खाने के छोटे टुकड़ो का इस्तेमाल न सिर्फ सब्जेक्ट में ड्रामा डालता है बल्कि उसे और जीवंत भी बनता है (Pic-9)

टिप्स - ट्रिक्स

फ़ूड शूट करते समय इन टिप्स और ट्रिक्स से आप साधारण से दिखने वाले फ़ूड को भी मनमोहक बना सकते हैं।

- धनिया, पुदीना या कोई भी हरी पत्तियों को इस्तेमाल करने से पहले बर्फ के पानी में रखें।
- सब्ज़ियों के प्राकृतिक रंग बनाये रखने के लिए उसे उसे अधपका रखें।
- सेब, नाशपाती या कोई भी काले पड़ने वाले फल सब्ज़ी को नीबू या सिरके के पानी में भिगोये और पोछ कर इस्तेमाल करें।
- स्प्रे बोतल से फल सब्ज़ी या ठन्डे पेयों के ग्लासों पर स्प्रे करने से वह और प्राकृतिक लगते हैं।
- सूप या करी जैसे तरल पदार्थो पर काली मिर्च, मिर्च पाउडर/कुछ मसाले, क्रीम या चिकनाई डाल कर क्लिक करें इससे उनमें थोड़ा टेक्सचर दिखेगा।
- चमक के लिए फलों, पास्ता या नूडल्स जैसे फ़ूड्स पर ब्रश की सहायता से थोड़ा रिफाइण्डया नारियल तेल लगाए ताकि वह फ्रेश लगें।
- छोटी प्लेट और बर्तन इस्तेमाल करें।
- सलाद, पेय या लेयर्ड फ़ूड्स जैसे कस्टर्ड, पुडिंग इत्यादि को भली भाँति दिखाने के लिए कांच के बर्तनों का उपयोग करें।
- बर्फ, धुआँ और पानी की बूंदो से टेक्सचर बढ़ायें।
- आइसक्रीम शूट करते समय पहले से स्कूप बना कर फ्रीज करें।
- खाने कि मात्रा यदि कम है और बर्तन बड़ा है तो बर्तन में पहले या तो पलट कर अंदर एक छोटा बर्तन रख लें या फिर फॉयल में लपेट कर थोड़ा गुंथा आटा रख लें और फिर खाना रखें, इससे पूरा बर्तन भरा होने का आभास होगा।

फ़ूड स्टाइलिंग किट

फ़ूड स्टाइलिंग के लिए एक अलग किट बना लें और उसमे स्टाइलिंग में प्रयोग आने वाले कुछ उपयोगी टूल्स हमेशा साथ रखें -

ट्वीज़र या चिमटी - धनिया, पुदीना या किसी भी छोटी वस्तु को सही जगह ठीक से रखने के लिए।

तेज़ धार वाला चाकू, एक चोप्पिंग बोर्ड, 2-4 पतले पेंटिंग ब्रश फ़ूड के ऊपर सॉस या तेल लगाने के लिए, एक तेज़ छोटी कैंची, एक स्प्रे बोतल - फल सब्ज़ियों पर पानी की बूँदें डालने के लिए, कुछ पैपर नैपकिन, एक साफ़ हैंड टॉवल, कुछ नए ईयर बड्स - छोटे धब्बे पोछने के लिए, लकड़ी के कुछ चम्मच और कांटें, कुछ मीटर सुतली, डबल साइडेड टेप, कुछ पिन, एक छोटी बोतल ग्लिसरीन - पानी की कृत्रिम बूंदो के लिए, टूथपिक और कुछ आर्टिस्ट क्ले - फ़ूड्स को एंगल में खड़ा करने के लिए भी उसमे रखें।

थोड़ी सी सूझ-बूझ, अच्छी नेचुरल या स्टूडियो लाइट और एंगल का प्रयोग करके आप किसी भी सब्जेक्ट में नयी जान डाल सकते हैं और अपनी फ़ूड फोटोग्राफी को आसानी से साधारण से असाधारण बना सकते हैं।

Pic-5

Pic-6

Pic-7

Pic-8

Pic-9

मुझे पूरी तस्वीर से नहीं बल्कि उस तस्वीर में छुपा एक छोटा सा लम्हा ज्यादा प्रभावित करता है। - हेनरी कार्टियर ब्रेस्सों

महान विभूतियाँ

विवियन डॉरथी मेयर

(1 फरवरी 1926 - 21 अप्रैल 2009)

विवियन डॉरथी मेयर

विवियन डॉरथी मेयर, जिनका जन्म 1 फरवरी 1926 को न्यूयॉर्क, अमेरिका में हुआ था, एक अमेरिकी स्ट्रीट फोटोग्राफर थीं, जिनका काम उनकी मृत्यु के बाद खोजा और पहचाना गया। उन्होंने अपनी जिंदगी में 150,000 से अधिक तस्वीरें खींची, जो मुख्य रूप से शिकागो, न्यूयॉर्क सिटी और लॉस एंजेलिस के लोगों और वास्तुकला (आर्किटेक्चर) से सम्बन्धित थीं।

अपनी जिंदगी में, विवियन मेयर की तस्वीरें अज्ञात और अप्रकाशित रहीं; उनके कई नेगेटिव्स डेवलप भी नहीं हुए थे। 2007 में, शिकागो के एक कलेक्टर, जॉन मेलूफ ने मेयर की कुछ तस्वीरें खरीदीं, जबकि दो अन्य शिकागो आधारित कलेक्टर, रॉन स्लैटरी और रैंडी प्रो ने भी मेयर के बॉक्स और सूटकेस में कुछ प्रिंट्स और नेगेटिव्स पाए। मेयर की तस्वीरें पहली बार जुलाई 2008 में स्लैटरी द्वारा इंटरनेट पर प्रकाशित की गईं, लेकिन इस काम को कम ही प्रतिक्रिया मिली। अक्टूबर 2009 में, मेलूफ ने अपनी ब्लॉग को Flickr पर मेयर की तस्वीरों के एक चयन से जोड़ा, और इसके परिणामस्वरूप वह वायरल हो गया, हजारों लोगों ने इसमें रूचि व्यक्त की। इसके बाद, मेयर के काम को आलोचकों से सराहना मिली, और तब से उनकी तस्वीरों को दुनिया भर में प्रदर्शित और सराहा गया।

विवियन मेयर के जीवन के कई पहलू अभी भी अज्ञात हैं। वह एक फ्रेंच मां, मारिया जौसॉड जस्टिन, और एक ऑस्ट्रियाई पिता, चार्ल्स मेयर की बेटी थीं। अपने बचपन के दौरान, वह कई बार अमेरिका और फ्रांस के बीच आती-जाती रहीं। उन्होंने अपनी मां के साथ फ्रांस के अल्पाइन गांव सेंट-बोने-एन-शांप्सौर में अपनी मां के रिश्तेदारों के पास रहकर समय बिताया। ऐसा लगता है कि उनके पिता किसी अज्ञात कारण से कुछ समय के लिए परिवार से दूर चले गए थे।

1951 में, 25 वर्ष की आयु में, विवियन मेयर फ्रांस से न्यूयॉर्क चली गईं, जहाँ उन्होंने एक श्रमशाला (स्लेटशॉप) में काम किया। 1956 में, वह शिकागो के नॉर्थ शोर क्षेत्र में चली गईं, जहाँ उन्होंने अगले 40 वर्षों तक मुख्य रूप से एक आया और देखभाल करने वाली के रूप में काम किया। शिकागो में अपने शुरूआती 17 वर्षों के दौरान, मेयर ने आया के रूप में काम किया।

जिन परिवारों ने विवियन मेयर को काम पर रखा था, उन्होंने उन्हें बहुत निजी स्वभाव का बताया। उनका कहना था कि वह अपनी छुट्टियां अक्सर अपने Rolleiflex कैमरे के साथ, शिकागो की गलियों में घूमते हुए और तस्वीरें खींचते हुए बिताती थीं। जॉन मेलूफ,

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2024 से 5 जनवरी 2024

किसी वस्तु को तस्वीर में अलग अलग उतारने की कला असली फोटोग्राफी है। - गैरी विनोग्राण्ड

जो विवियन डॉरथी मेयर की कुछ तस्वीरों के क्यूरेटर थे, ने बताया कि जिन बच्चों की वह देखभाल करती थीं, वे बाद में उनके बारे में यही बताते थे।

विवियन मेयर एक समाजवादी, नारीवादी, फिल्म समीक्षक और बेबाक व्यक्तित्व वाली महिला थीं। उन्होंने अंग्रेज़ी सीखने के लिए थिएटर जाना शुरू किया, जिसे वह बेहद पसंद करती थीं। वह लगातार तस्वीरें खींचती रहती थीं, लेकिन उन्हें कभी किसी को नहीं दिखाती थीं।

1959 और 1960 में, विवियन मेयर ने दुनिया भर में अकेले यात्रा की और लॉस एंजेलिस, फिलीपींस, थाईलैंड, हांगकांग, वियतनाम, मलेशिया, सिंगापुर, भारत, यमन, मिस्र, ग्रीस, लेबनान, सीरिया, तुर्की, इटली, फ्रांस और स्विट्ज़रलैंड में तस्वीरें खींचीं। माना जाता है कि यह यात्रा उनके परिवार के फार्म की बिक्री से मिले पैसों से की गई थी। 1970 के दशक में, मेयर ने कुछ समय के लिए टॉक-शो होस्ट करने वाले फिल डोनाह्यू के घर पर हाउसकीपर के रूप में काम किया। उन्होंने अपनी चीजें अपने नियोक्ताओं के घरों में रखीं; एक घर में उनके पास 200 बॉक्स की सामग्री थी, जिनमें से ज्यादातर में तस्वीरें या नेगेटिव्स ही थे।

2007 में, अपनी मृत्यु से दो साल पहले, विवियन मेयर शिकागो के नॉर्थ साइड में किराए पर लिए गए स्टोरेज का भुगतान करने में असमर्थ हो गईं। इसके परिणामस्वरूप उनकी नेगेटिव्स, प्रिंट्स, ऑडियो रिकॉर्डिंग्स और 8 मिमी फिल्म की नीलामी की गई। तीन फोटो कलेक्टर्स - जॉन मेलूफ, रॉन स्लैटरी और रैंडी प्रो ने उनके काम के कुछ हिस्से खरीदे। मेयर की तस्वीरें पहली बार जुलाई 2008 में स्लैटरी द्वारा इंटरनेट पर प्रकाशित की गईं, लेकिन उस समय उन्हें ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं मिली।

जिन गेंसबर्ग भाइयों की देखभाल विवियन मेयर ने उनके बचपन में की थी, उन्होंने उनकी वृद्धावस्था में मदद करने की कोशिश की जब वे आर्थिक तंगी में थीं। जब मेयर को शिकागो के सिसेरो उपनगर में एक सस्ते अपार्टमेंट से निकाला जाने वाला था, तो गेंसबर्ग भाइयों ने उनके लिए शिकागो के रोजर्स पार्क इलाके में शेरिडन रोड पर एक बेहतर अपार्टमेंट की व्यवस्था की। नवंबर 2008 में, मेयर बर्फ पर गिर गईं और उनके सिर पर चोट लगी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। जनवरी 2009 में, उन्हें शिकागो के उपनगर में एक नर्सिंग होम ले जाया गया, जहाँ अप्रैल 2009 में 83 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

उनकी मृत्यु के बाद विवियन मेयर की तस्वीरों की खोज ने मुख्यधारा की मीडिया में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। उनकी कृतियां गैलरी प्रदर्शनियों, कई किताबों और डॉक्यूमेंट्री फिल्मों में प्रदर्शित की गई।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

डेप्थ ऑफ़ फील्ड

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

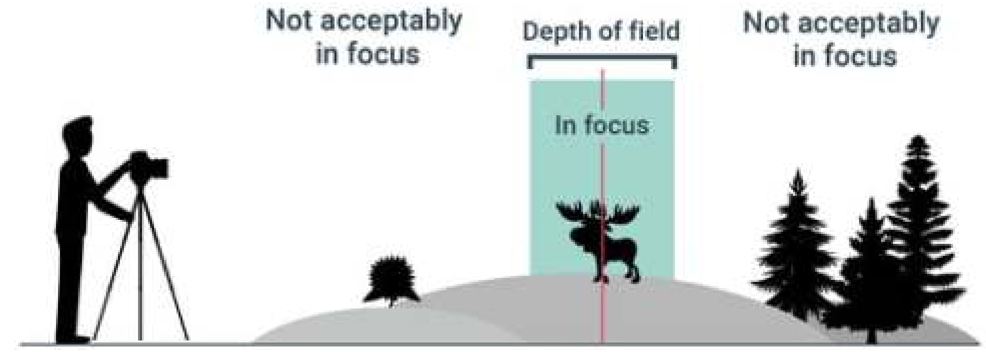

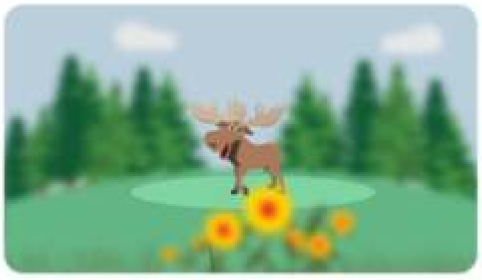

नमस्कार दोस्तों। उम्मीद है आप सब लोग अच्छे होंगे। हमने पिछले टॉपिक में जैसे एक्सपोज़र ट्राइएंगल को समझने की कोशिश की थी वैसे ही आज हम अपने अगले टॉपिक "डेप्थ ऑफ़ फील्ड" को डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे। डेप्थ ऑफ़ फील्ड का मतलब होता है कि अगर आप अपने फ्रेम को फील्ड मान ले तो उसमे रखा हुआ शार्प और फोकस्ड सब्जेक्ट, कितनी डिस्टेंस पर रखा हुआ है और सब्जेक्ट के पीछे का बैकग्राउंड कितना हल्का है या कितना गहरा है। इसी कॅल्क्युलेशन को हम "डेप्थ ऑफ़ फील्ड" या उसकी कॅल्क्युलेशन कहते हैं। जैसे-जैसे ऍफ़ स्टॉप्स की वैल्यू बढ़ेगी वैसे-वैसे डेप्थ ऑफ़ फील्ड की डेप्थ बढ़ती जाएगी। मतलब आप के "अपर्चर" की "ऍफ़ स्टॉप वैल्यू" जितनी कम होगी उतनी ही डेप्थ ऑफ़ फील्ड भी कम होगी और उतना ही ज्यादा बैकग्राउंड ब्लर्र होगा मतलब उतना ही कम एरिया फोकस में होगा। अब जैसे-जैसे आप ऍफ़ स्टॉप बढ़ाते जाएंगे वैसे-वैसे डेप्थ ऑफ़ फील्ड बढ़ती जाएगी और उतना ज्यादा एरिया फोकस में दिखाई देगा। अब हम आगे बढ़ेंगे कि डेप्थ ऑफ़ फील्ड किन-किन फैक्टर्स पर डिपेंड करती है। मुख्यता 4 तरह के फैक्टर्स हैं जिन पर डेप्थ ऑफ़ फील्ड डिपेंड करती है।

1- अपर्चर,
2 - फोकल लेंथ,
3 - फोकसिंग डिस्टेंस,
4 - सेंसर साइज़।

हमारा उद्देश्य हमेशा एक अच्छी और फोकस्ड इमेज को शूट करना होता है और एक अच्छी और फोकस्ड इमेज आपको सिर्फ अच्छी डेप्थ ऑफ़ फील्ड से ही मिल सकती है। हर लेंस की डेप्थ ऑफ़ फील्ड अलग-अलग होती हैं। जितना लेंस का फोकल लेंथ फिक्स्ड होगा उतना ही उसका डेप्थ ऑफ़ फील्ड कम होगा। डेप्थ ऑफ़ फील्ड का कम होने का मतलब की फोटो में बैकग्राउंड उतना ही ब्लर्र होगा यानि की आपकी फोटो उतनी ही शार्प और फोकस्ड नज़र आएगी। अब सपोज करिये कि आप किसी लैंडस्केप को शूट कर रहे है और आपने अपने कैमरे में एक 35एम.एम. निक्कोर का लेंस लगा रखा है जिसकी ऍफ़ स्टॉप वैल्यू अपने f 2.8 लगा रखी है तो नीचे दिये गए डाइग्राम से आप ये आब्जर्व करेंगे कि पहले पार्ट में जब f 2.8 है तो अपर्चर का साइज़ काफी बड़ा हैं और अमाउंट ऑफ़ लाइट भी प्रॉपर है पर जो एरिया फोकस में है वो काफी कम है जिसके चलते पीछे का बैकग्राउंड काफी ब्लर्र है या कहिये काफी शैलो डेप्थ ऑफ़ फील्ड है। वहीं डायग्राम के ही दूसरे पार्ट में जब ऍफ़ स्टॉप की वैल्यू बढ़ती है तो अपर्चर का साइज़ कम हो जाता है, मतलब लाइट भी कम हो जाएगी, डेप्थ ऑफ़ फील्ड शैलो की जगह मीडियम हो जा रही और जो एरिया फोकस में है वो भी पिछले पार्ट से ज्यादा है तो अमाउंट ऑफ़ बैकग्राउंड ब्लर्र भी देखने में कम हो गया है। वहीं डाइग्राम के तीसरे पार्ट में जब ऍफ़ स्टॉप की वैल्यू को और बढ़ाया गया तो अपर्चर का साइज़ और कम हो गया जिसके चलते लाइट भी और कम हो गई और जो डेप्थ ऑफ़ फील्ड थी वो काफी बढ़ गयी जिसके चलते अमाउंट ऑफ़ ब्लर्र एरिया काफी कम हो गया, अगर दूसरी तरह से कहें तो ज्यादा एरिया फोकस में दिखाई देने लगा। जैसा कि आप इस बच्ची की फोटोग्राफ देख रहे हैं जिसमें वो पानी के बुलबुले बना के उड़ा रही है, इस फोटोग्राफ में बच्ची को छोड़ दें तो बाकी सारा बैकग्राउंड काफी ज्यादा ब्लर्र दिखाई दे रहा है ऐसा इसलिए है क्यूंकि यहाँ पर ऍफ़ स्टॉप वैल्यू जो यूज़ हुई है वो काफी कम है यानि f 2.8 है जिसके चलते अपर्चर का साइज़ बढ़ गया है और लाइट भी प्रॉपर कैप्चर हुई है। आपका ऍफ़ स्टॉप नंबर जब काफी कम होता है तब इस तरह के रिज़ल्ट्स बाहर निकल के आते हैं। इस तरह के फोटोग्राफ्स में काफी शैलो डेप्थ ऑफ़ फील्ड दिखाई देती है जिसके चलते लाइट भी काफी अच्छी मिल जाती है और बहुत ही कम एरिया फोकस में रहता है। अब जब आप दूसरी फोटोग्राफ को देखेंगे जो वाराणसी घाट की है - तो उसमें आप यह देखंगे कि जो मेन सब्जेक्ट है वो खुद तो फोकस में है ही इसके साथ बैकग्राउंड में भी जो लोग घाट की सीढ़ियों पर दिखाई दे रहे हैं वो सब भी कुछ हद तक फोकस में दिखाई दे रहे हैं। तो जब कभी आपका ऍफ़ स्टॉप नंबर 4.5 से लेकर 5.6 की बीच होता है तो कुछ इस तरह का रिजल्ट देखने को मिलता है। ऐसे फोटग्राफ्स में मीडियम डेप्थ ऑफ़ फील्ड देखने को मिलती है और सब्जेक्ट के आलावा भी "एरिया" भी कुछ फोकस में देखने को मिलता है। अब जब हम तीसरी फोटोग्राफ की तरफ नजर डालते हैं तो आपको पूरे-पूरे फोटोग्राफ ही फोकस में दिखाई देता है। मतलब कि बच्चो के प्लेग्राउंड से लेकर उनके स्कूल की बिल्डिंग से होते हुए पीछे बर्फीली हिमालयन रेंज तक आपको सब कुछ फोकस में दिखेगा। ऐसा रिजल्ट आपको ऍफ़ स्टॉप - f18- f19 के आस-पास मिलते हैं। ऐसी सिचुएशन में लाइट काफी कम कैप्चर होती है, यहाँ पर एडिटिंग में लाइट को बढ़ाया गया है। इन फोटोग्राफ्स में लार्ज डेप्थ ऑफ़ फील्ड देखने को मिलती है और ऑलमोस्ट सारा ही एरिया फोकस में देखने को मिलता है। तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगों को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा अपना बहुत ख्याल रखें। बाए।

f4.5-5.6- Medium Depth of Field bcoz of Mid Aperture

f2.8- Shallow Depth of Field bcoz of Large Aperture

f18-19- Large Depth of Field bcoz of Small Aperture

लखनऊ में प्री-वेडिंग शूट का शुल्क घटाने को लेकर फोटोग्राफर्स द्वारा प्रदर्शन

12 एवं 13 नवम्बर 2024 को फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ विकास प्राधिकरण के पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर प्री वेडिंग शूट का शुल्क बढ़ाने के विरोध में एलडीए मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया एवं ज्ञापन सौंपा गया। इसी क्रम में ब्रजेश पाठक, माननीय उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश से मुलाकात कर उन्हें भी ज्ञापन दिया गया।

एक अच्छी तस्वीर किसी लम्हे को काल की गोद में कहीं खो जाने रोकने में सबसे सक्षम है। - युडोरा वेल्टी

अनहोनी की तैयारी: 'क्या हो अगर' जैसे सवालों से अपनी वेडिंग फोटोग्राफी बिज़नेस को मजबूत बनाएं

कॉर्पोरेट दुनिया में कई साल बिताने के बाद, मैंने अलग-अलग मार्केटिंग रणनीतियाँ (कार्य योजनाएं) सीखी और उन्हें वास्तविक बिज़नेस परिस्थितियों में लागू किया। ये रणनीतियाँ फोटोग्राफी बिज़नेस के लिए भी उतनी ही उपयोगी हैं। अपनी प्रस्तुति श्रृंखला 'फोटोग्राफर्स के लिए मार्केटिंग' में, मैं इस बात पर ज़ोर देता हूँ कि फोटोग्राफी बिज़नेस को बढ़ाने के लिए मार्केटिंग बहुत ज़रूरी है। वेडिंग फोटोग्राफी की कड़ी प्रतिस्पर्धा में सफल होने के लिए मार्केटिंग सोच विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है।

इस लेख में, मैं 'क्या हो अगर' जैसे परिदृश्यों की बात करता हूँ, जो एक प्रकार की योजना बनाने की तकनीक है। यह तकनीक सिर्फ भविष्यवाणी करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन अनिश्चितताओं के लिए तैयार होने के बारे में है जो आपके बिज़नेस को प्रभावित कर सकती हैं। इसमें यह समझना शामिल है कि जब चीजें आपकी उम्मीदों के मुताबिक न हों, तो क्या हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर कोई प्रक्रिया उम्मीद से ज्यादा समय लेती है या ज्यादा खर्चीली हो जाती है, तो क्या होगा? अगर अप्रत्याशित परिस्थितियाँ आ जाएँ, तो क्या करेंगे?

मूल रूप से, 'क्या हो अगर' परिदृश्य का मतलब है हर जरूरी पहलू के लिए यह सवाल पूछना, 'क्या होगा अगर...?' वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए ये सवाल छोटे मुद्दों से लेकर बड़े चैलेंज तक हो सकते हैं। जैसे, 'क्या होगा अगर मेरी लाइटिंग का उपकरण खराब हो जाए?' या फिर, 'क्या होगा अगर कपल्स प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स से काम कराना बंद कर दें?'

नीचे कुछ "क्या हो अगर" सवाल दिए गए हैं, जिन पर हर वेडिंग फोटोग्राफर को विचार करना चाहिए और तैयारी करनी चाहिए:

- क्या होगा यदि कपल्स प्रोफेशनल फोटोग्राफरों को काम पर रखना बंद कर दें, क्योंकि उन्हें स्मार्टफोन और शौकिया फोटोग्राफर ही "काफी अच्छे" लगते हैं?
- क्या होगा यदि आर्थिक मंदी के कारण शादी के बजट में कमी आ जाए और इसका असर फोटोग्राफी सेवाओं पर पड़े?
- यदि ग्राहक आपकी फोटो से संतुष्ट न हों तो क्या होगा?
- क्या होगा यदि आप कपल का एक दूसरे को वरमाला पहनाने जैसे महत्वपूर्ण क्षणों को मिस कर दें?
- यदि शूटिंग के दौरान आपका उपकरण खराब हो जाए तो क्या होगा?
- यदि आपका सहायक फोटोग्राफर अंतिम क्षण में कार्यक्रम रद्द कर दे तो क्या होगा?
- क्या होगा यदि अप्रत्याशित मौसम (उदाहरण के लिए, बारिश) के कारण आउटडोर विवाह समारोह में व्यवधान उत्पन्न हो?
- यदि खराब मेमोरी कार्ड के कारण महत्वपूर्ण छवियां नष्ट हो जाएं तो क्या होगा?
- क्या होगा यदि कम कीमत पर फोटोग्राफी करने वाले फोटोग्राफर्स बाजार में आते हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ जाए?
- यदि स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण आप शादी में शामिल नहीं हो पाएं तो क्या होगा?

हालांकि इनमें से कुछ परिदृश्य मामूली लग सकते हैं, लेकिन छोटी-छोटी रुकावटें भी आपकी प्रतिष्ठा या आय को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनकी तैयारी करना न केवल काम को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है, बल्कि आपके बिज़नेस को सुरक्षित भी रखता है। कुछ समस्याओं का समाधान आंतरिक बदलावों से किया जा सकता है, जबकि कुछ के लिए आपकी टीम के साथ स्पष्ट संवाद और समन्वय की आवश्यकता होती है।

"क्या हो अगर" परिदृश्य क्यों मायने रखते हैं

"क्या हो अगर" परिदृश्य केवल काल्पनिक नहीं होते - ये रणनीतिक योजना और कामकाजी तैयारी के लिए बेहद प्रभावी उपकरण हैं। ये फ़ोटोग्राफ़र्स को क्लाइंट की चिंताओं को दूर करने, अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने और अपनी प्रोफेशनल प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं।

एक अच्छी तरह से तैयार किया गया "क्या हो अगर" परिदृश्य तीन मुख्य चरणों में तैयार होता है:

1. **चिंता बताएं:** किसी संभावित समस्या की पहचान करें।
2. **क्यों यह चिंता का विषय है:** इसके प्रभावों को समझाएं।
3. **समाधान दें:** इसे हल करने के लिए कार्यात्मक उपायों की सूची बनाएं।

इस ढांचे को अपनाकर, वेडिंग फोटोग्राफ़र्स न केवल क्लाइंट से जुड़ी चिंताओं के लिए बल्कि कामकाजी जोखिमों के लिए भी पहले से तैयारी कर सकते हैं। आइए, पांच "क्या हो अगर" परिदृश्यों को उदाहरण के रूप में समझते हैं:

1. क्या हो अगर कपल्स प्रोफेशनल वेडिंग फ़ोटोग्राफ़र्स को बुलाना बंद कर दें?

चिंता

स्मार्टफोन और सस्ते कैमरे अब अच्छी क्वालिटी प्रदान करते हैं, जिसके कारण कुछ कपल्स रिश्तेदारों या दोस्तों पर निर्भर हो सकते हैं, जिससे प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़र्स की मांग कम हो सकती है।

क्यों यह महत्वपूर्ण है

बुकिंग की कमी आपके व्यवसाय की वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है।

समाधान

- **क्लाइंट्स को जागरूक करें:** सोशल मीडिया और ब्लॉग के माध्यम से यह बताएं कि प्रोफेशनल फ़ोटोग्राफ़र्स की कला, विशेषज्ञता और कहानी कहने की क्षमता क्या खास बनाती है।
- **अंतर दिखाएं:** प्रोफेशनल और शौकिया फ़ोटोग्राफी की तुलना करके क्वालिटी में अंतर को उजागर करें।
- **बजट-फ्रेंडली पैकेज दें:** कम समय की कवरेज या केवल डिजिटल फ़ोटो वाले विकल्प पेश करें, ताकि बजट के प्रति संवेदनशील क्लाइंट्स को आकर्षित कर सकें।
- **सेवाओं में विविधता लाएं:** फैमिली पोर्ट्रेट्स, प्रोडक्ट फ़ोटोग्राफी जैसी अन्य सेवाओं में विस्तार करें, ताकि ज़्यादा क्लाइंट्स को जोड़ा जा सके।

2. क्या हो अगर कपल्स प्रिंटेड वेडिंग एल्बम बनवाना बंद कर दें?

चिंता

डिजिटल गैलरी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण कपल्स पारंपरिक प्रिंटेड एल्बम्स को नकार सकते हैं, जिससे एक महत्वपूर्ण आय स्रोत पर असर पड़ सकता है।

क्यों यह महत्वपूर्ण है

प्रिंटेड एल्बम सिर्फ यादें नहीं होती - वे लाभकारी भी होती हैं। एल्बम के न बनने से आय में महत्वपूर्ण गिरावट हो सकती है।

समाधान

- **पैकेज के साथ एल्बम समायोजित करें:** प्रीमियम पैकेजों में एल्बम शामिल करें ताकि उनके मूल्य को प्रदर्शित किया जा सके।
- **भावनात्मक मूल्य को हाइलाइट करें:** परिवार के पुराने खजाने के रूप में एल्बमों के महत्व के बारे में ग्राहक की प्रशंसा साझा करें।
- **डिजाइन को आधुनिक बनाएं:** आज के कपल्स को आकर्षित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री के साथ आकर्षक, समसामयिक एल्बम प्रदान करें।
- **अतिरिक्त बिक्री अतिरिक्त सेवाएं:** अतिरिक्त आय के लिए परिवार फोटोबुक, फ्रेम किए गए संग्रहालय-ग्रेड प्रिंट या मिनी-पुस्तकों का सुझाव दें।

3. क्या हो अगर आप कपल के एक-दूसरे को माला पहनाने जैसे महत्वपूर्ण पल मिस कर दें?

चिंता

महत्वपूर्ण पलों को मिस करना क्लाइंट्स को निराश कर सकता है और आपकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा सकता है।

क्यों यह महत्वपूर्ण है

ये पल दुबारा नहीं आता है। एक मिस किया हुआ शॉट न केवल रेफरल्स खो सकता है, बल्कि आपकी प्रोफेशनल छवि को भी धूमिल कर सकता है।

समाधान

- **समय (टाइम लाइन) पर चर्चा करें:** कपल के साथ वेडिंग शेड्यूल की समीक्षा करें ताकि महत्वपूर्ण घटनाओं को पहचान सकें।
- **वेन्यू की जांच करें:** पहले से वेन्यू पर जाएं और महत्वपूर्ण पलों के लिए सबसे अच्छे एंगल्स का पता लगाएं।
- **बैकअप कवरेज रखें:** एक अतिरिक्त फ़ोटोग्राफ़र नियुक्त करें ताकि सभी एंगल्स को कवर किया जा सके।
- **सतर्क रहें:** शादी के दौरान पुजारी, कपल और मेहमानों पर नज़र रखते हुए पलों का पूर्वानुमान लगाएं।

4. यदि आपका लाइटिंग उपकरण खराब हो जाए तो क्या होगा?

चिंता

लाइटिंग की समस्याएँ आपकी तस्वीरों की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं, खासकर जब आपको कम रोशनी वाली जगह पर तस्वीरें खींचनी हों।

क्यों यह महत्वपूर्ण है

सही लाइटिंग प्रोफेशनल फोटोग्राफी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपकरण खराब होने से निम्न गुणवत्ता वाली तस्वीरें आ सकती हैं, जिससे क्लाइंट्स असंतुष्ट हो सकते हैं।

समाधान

- **बैकअप गियर साथ रखें:** हमेशा अतिरिक्त लाइट्स, बैटरी और केबल्स रखें।
- **प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग करें:** उपलब्ध प्रकाश का रचनात्मक रूप से उपयोग करके वातावरण के अनुसार एडजस्ट करें।
- **उपकरणों का रख-रखाव करें:** अपने उपकरणों की नियमित रूप से जांच करें और परीक्षण करें ताकि विफलताओं से बचा जा सके।
- **किराए पर उपकरण प्राप्त करने के लिए साझेदारी करें:** आवश्यकता पड़ने पर उपकरणों के लिए स्थानीय रेंटल सेवाओं के साथ व्यवहार बनाएं।

5. क्या हो अगर आपका अतिरिक्त फ़ोटोग्राफ़र आखिरी पल में कैंसिल कर दे?

चिंता

अतिरिक्त फ़ोटोग्राफ़र्स बड़े इवेंट्स को कवर करने और विभिन्न एंगल्स से महत्वपूर्ण पलों को कैप्चर करने के लिए आवश्यक होते हैं। अचानक उनका न आना कवरेज में रुकावट डाल सकता है।

क्यों यह महत्वपूर्ण है

पर्याप्त कवरेज के बिना, आप महत्वपूर्ण पलों को मिस करने और खुद पर अत्यधिक बोझ डालने का जोखिम उठाते हैं, जिससे सेवा की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है।

समाधान

- **नेटवर्क बनाएं:** भरोसेमंद फ़ोटोग्राफ़र्स से संबंध बनाएं, जो तत्काल आवश्यकता पर आपकी मदद कर सकें।
- **स्पष्ट संवाद करें:** सुनिश्चित करें कि आपका दूसरा फ़ोटोग्राफ़र अपनी ज़िम्मेदारियों को समझे और शेड्यूल के अनुसार प्रतिबद्ध रहे।
- **प्राथमिकताएँ समायोजित करें:** अगर अकेले काम कर रहे हैं, तो महत्वपूर्ण पलों पर ध्यान केंद्रित करें और अपनी शॉट लिस्ट को छोटा करें।
- **एक सहायक नियुक्त करें:** एक सहायक उपकरण और लॉजिस्टिक्स में मदद कर सकता है, जिससे आपका कार्यभार हल्का होगा।

निष्कर्ष

"क्या हो अगर" परिदृश्य वेडिंग फ़ोटोग्राफ़र्स के लिए अत्यंत मूल्यवान होते हैं, जो अपने व्यवसाय को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाना चाहते हैं। संभावित चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाकर और सोची-समझी प्रतिक्रियाएँ तैयार करके, आप अनिश्चितताओं का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकते हैं और क्लाइंट्स को असाधारण सेवा प्रदान कर सकते हैं। जो समाधान मैंने दिए हैं, वे केवल उदाहरण हैं। एक प्रोफेशनल वेडिंग फ़ोटोग्राफ़र के रूप में आपके पास इससे भी बेहतर समाधान हो सकते हैं। इन "क्या हो अगर" परिदृश्यों को हमेशा लिखित रूप में रखना चाहिए, ताकि आप या आपकी टीम उन्हें नियमित रूप से संदर्भित कर सकें। आगे का दस्तावेज़ीकरण नए फ़ोटोग्राफ़र्स के लिए सहायक होता है जब वे आपकी टीम का हिस्सा बनते हैं।

आगे की योजना बनाना, बदलावों के अनुसार ढलना, और चुनौतियों को अवसरों में बदलना एक अच्छे प्रोफेशनल की पहचान है। "क्या हो अगर" जैसे सवालों को आप अपनी आदत में शामिल करके, आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपका व्यवसाय मजबूत रहे और किसी भी स्थिति के लिए तैयार हो।

विमल परमार
Independent Marketing Consultant
Digital Print Evangelist
@vimalparmar

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2024 से 5 जनवरी 2024

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप मोरोक्को के राजा की तस्वीर ले रहे हैं या मारकेश के किसी बाजार में एक मजदूर की। एक फोटोग्राफर को हर हाल में हर किसी से प्रेम से पेश आना चाहिए। - अल्बर्ट वाटसन

फोटोशॉप CC शार्टकट : विंडोज और मैक के लिए

टूल्स (TOOLS)

मूव टूल (Move tool)	V	V
रेक्टेंगुलर मार्की टूल (Rectangular Marquee tool)	M	M
इलिप्टिकल मार्की टूल (Elliptical Marquee tool)	M	M
लासो टूल (Lasso tool)	L	L
पॉलीगोनल लासो टूल (Polygonal Lasso tool)	L	L
मैगनेटिक लासो टूल (Magnetic Lasso tool)	L	L
मैजिक वेंड टूल (Magic Wand tool)	W	W
क्विक सिलेक्शन टूल (Quick Selection tool)	W	W
क्राप टूल (Crop tool)	C	C
स्लाइस टूल (Slice tool)	C	C
स्लाइस सिलेक्ट टूल (Slice Select tool)	C	C
आईड्रापर टूल (Eyedropper tool)	I	I
कलर सैम्पलर टूल (Color Sampler tool)	I	I
रूलर टूल (Ruler tool)	I	I
नोट टूल (Note tool)	I	I
काउण्ट टूल (Count tool)	I	I
स्पाट हीलिंग ब्रश टूल (Spot Healing Brush tool)	J	J
हीलिंग ब्रश टूल (Healing Brush tool)	J	J
पैच टूल (Patch tool)	J	J
रेड आई टूल (Red Eye tool)	J	J
ब्रश टूल ("Brush tool)	B	B
पेंसिल टूल (Pencil tool)	B	B
कलर रिप्लेसमेंट टूल (Color Replacement tool)	B	B
मिक्सचर ब्रश टूल (Mixer Brush tool")	B	B
क्लोन स्टैम्प टूल (Clone Stamp tool)	S	S
पैटर्न स्टैम्प टूल (Pattern Stamp tool)	S	S
हिस्ट्री ब्रश टूल (History Brush Tool)	Y	Y
आर्ट हिस्ट्री ब्रश टूल (Art History Brush Tool)	Y	Y
इरेजर टूल (Eraser tool)	E	E
बैकग्राउण्ड इरेजर टूल (Background Eraser tool)	E	E
मैजिक इरेजर टूल (Magic Eraser tool)	E	E
ग्रेडिएंट टूल (Gradient tool)	G	G
पेंट बकेट टूल (Paint Bucket tool)	G	G
डॉज टूल (Dodge tool)	O	O
बर्न टूल (Burn tool)	O	O
स्पांज टूल (Sponge tool)	O	O
पेन टूल (Pen tool)	P	P
फ्रीफार्म पेन टूल (Freeform Pen tool)	P	P
हॉरिजॉन्टल टाइप टूल (Horizontal Type tool)	T	T
वर्टिकल टाइप टूल (Vertical Type tool)	T	T
हॉरिजॉन्टल टाइप मास्क टूल (Horizontal Type mask tool)	T	T
वर्टिकल टाइप मास्क टूल (Vertical Type mask tool)	T	T
पाथ सिलेक्शन टूल (Path Selection tool)	A	A
डाइरेक्ट सिलेक्शन टूल (Direct Selection tool)	A	A
रेक्टेंगल टूल (Rectangle tool)	U	U
राउण्ड रेक्टेंगल टूल (Rounded Rectangle tool)	U	U
इलिप्स टूल (Ellipse tool)	U	U
पॉलीगन टूल (Polygon tool)	U	U
लाइन टूल (Line tool)	U	U
कस्टम शेप टूल (Custom Shape tool)	U	U
3डी आब्जेक्ट रोटेट टूल (3D Object Rotate tool)	K	K
3डी आब्जेक्ट रोल टूल (3D Object Roll tool)	K	K
3डी आब्जेक्ट पैन टूल (3D Object Pan tool)	K	K
3डी आब्जेक्ट स्लाइड टूल (3D Object Slide tool)	K	K
3डी आब्जेक्ट स्केल टूल (3D Object Scale tool)	K	K
3डी कैमरा रोटेट टूल (3D Camera Rotate tool)	N	N
3डी कैमरा रोल टूल (3D Camera Roll tool)	N	N
3डी कैमरा पैन टूल (3D Camera Pan tool)	N	N
3डी कैमरा वॉक टूल (3D Camera Walk tool)	N	N
3डी कैमरा जूम (3D Camera Zoom)	N	N
हैण्ड टूल (Hand tool)	H	H
रोटेट व्यू टूल (Rotate View tool)	R	R
जूम टूल (Zoom tool)	Z	Z

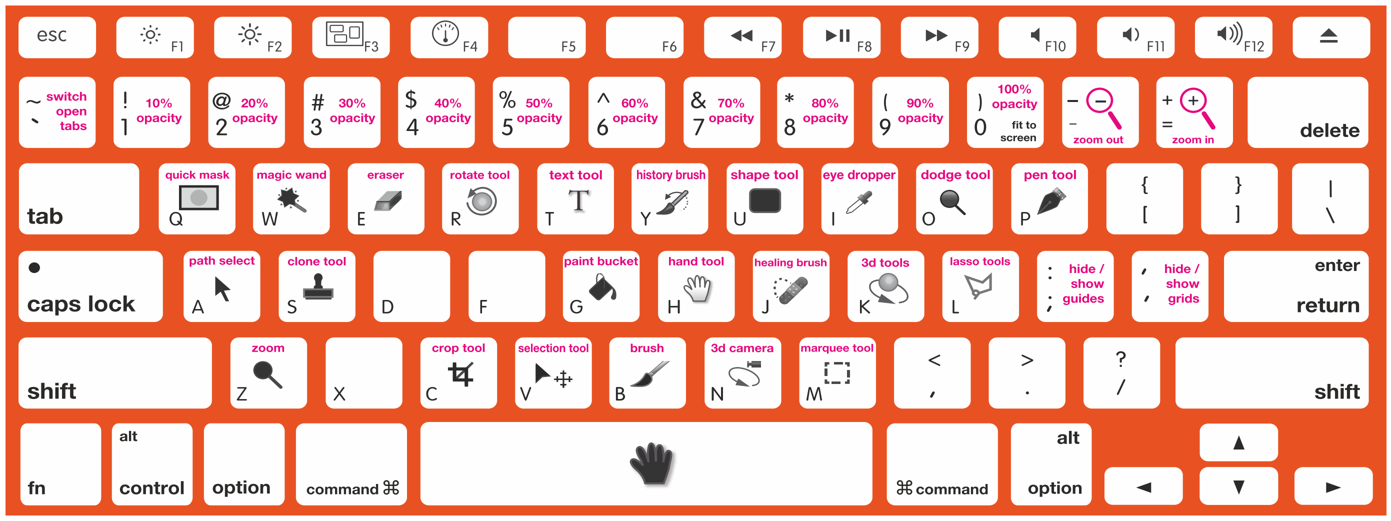

इमेज कमांड्स (MAGE COMMANDS)

एडजस्टमेंट (Adjustments) >		
लेवल्स (Levels)	Ctrl+L	Cmd+L
कर्व्स (Curves)	Ctrl+M	Cmd+M
ह्यू/सैचुरेशन (Hue/Saturation)	Ctrl+U	Cmd+U
कलर बैलेंस (Color Balance)	Ctrl+B	Cmd+B
ब्लैक एण्ड व्हाइट (Black & White)	Alt+Shift+Ctrl+B	Opt+Shift+Cmd+B
इनवर्ट (Invert)	Ctrl+I	Cmd+I
डीसैचुरेट (Desaturate)	Shift+Ctrl+U	Shift+Cmd+U
ऑटो टोन (Auto Tone)	Shift+Ctrl+L	Shift+Cmd+L
ऑटो कंट्रास्ट (Auto Contrast)	Alt+Shift+Ctrl+L	Opt+Shift+Cmd+L
ऑटो कलर (Auto Color)	Shift+Ctrl+B	Shift+Cmd+B
इमेज साइज (Image Size)	Alt+Ctrl+I	Opt+Cmd+I
कैनवास साइज (Canvas Size)	Alt+Ctrl+C	Opt+Cmd+C
रिकार्ड मेजरमेंट (Record Measurements)	Shift+Ctrl+M	Shift+Cmd+M

व्यू कमांड्स (VIEW COMMANDS)

प्रूफ कलर्स (Proof Colors)	Ctrl+Y	Cmd+Y
गमुट वार्निंग (Gamut Warning)	Shift+Ctrl+Y	Shift+Cmd+Y
जूम इन (Zoom In)	Ctrl++ Ctrl+=	Cmd++ Cmd+=
जूम आउट (Zoom Out)	Ctrl+-	Cmd+-
फिट आन स्क्रीन (Fit on Screen)	Ctrl+0	Cmd+0
100 प्रतिशत (100%)	Ctrl+1 or Alt+Ctrl+0	Cmd+1 or Opt+Cmd+0
एक्सट्राज (Extras)	Ctrl+H	Cmd+H
शो (Show) >		
टारगेट पाथ (Target Path)	Shift+Ctrl+H	Shift+Cmd+H
ग्रिड (Grid)	Ctrl+'	Cmd+'
गाइड्स (Guides)	Ctrl+;	Cmd+;
रूलर (Rulers)	Ctrl+R	Cmd+R
स्नैप (Snap)	Shift+Ctrl+;	Shift+Cmd+;
लॉक गाइड्स (Lock Guides)	Alt+Ctrl+;	Opt+Cmd+;

3डी कमांड्स (3D COMMANDS)

शो/हाइड पॉलीगोंस (Show/Hide Polygons) >		
विथइन सलेक्शन (Within Selection)	Alt+Ctrl+X	Opt+Cmd+X
रिवील ऑल (Reveal All)	Alt+Shift+Ctrl+X	Opt+Shift+Cmd+X
रेंडर (Render)	Alt+Shift+Ctrl+R	Opt+Shift+Cmd+R

लेयर कमांड्स (LAYER COMMANDS)

न्यू (New) >		
लेयर (Layer)	Shift+Ctrl+N	Shift+Cmd+N
लेयर वाया कॉपी (Layer via Copy)	Ctrl+J	Cmd+J
लेयर वाया कट (Layer via Cut)	Shift+Ctrl+J	Shift+Cmd+J
क्रियेट/रिलीज क्लिपिंग मास्क (Create/Release Clipping Mask)	Alt+Ctrl+G	Opt+Cmd+G
ग्रुप लेयर्स (Group Layers)	Ctrl+G	Cmd+G
अनग्रुप लेयर्स (Ungroup Layers)	Shift+Ctrl+G	Shift+Cmd+G
अरेन्ज (Arrange) >		
ब्रिंग टू फ्रंट (Bring to Front)	Shift+Ctrl+]	Shift+Cmd+]
ब्रिंग फारवर्ड (Bring Forward)	Ctrl+]	Cmd+]
सेंड बैकवर्ड (Send Backward)	Ctrl+[	Cmd+[
सेंड टू बैंक (Send to Back)	Shift+Ctrl+[	Shift+Cmd+[
मर्ज लेयर्स (Merge Layers)	Ctrl+E	Cmd+E
मर्ज विजिबल (Merge Visible)	Shift+Ctrl+E	Shift+Cmd+E

सेलेक्ट कमांड्स (SELECT COMMANDS)

सेलेक्ट आल (Select All)	Ctrl+A	Cmd+A
डी सेलेक्ट (Deselect)	Ctrl+D	Cmd+D
री सेलेक्ट (Reselect)	Shift+Ctrl+D	Shift+Cmd+D
इनवर्स (Inverse)	Shift+Ctrl+I or Shift+F7	Shift+Cmd+I or Shift+F7
आल लेयर्स (All Layers)	Alt+Ctrl+A	Opt+Cmd+A
फाइंड लेयर्स (Find Layers)	Alt+Shift+Ctrl+F	Opt+Shift+Cmd+F
रिफाइन एज (Refine Edge)	Alt+Ctrl+R	Opt+Cmd+R
मॉडीफाई (Modify) >		
फेदर (Feather)	Shift+F6	Shift+F6

फिल्टर कमांड्स (FILTER COMMANDS)

लास्ट फिल्टर (Last Filter)	Ctrl+F	Cmd+F
एडाप्टिव वाइड एंगल (Adaptive Wide Angle)	Alt+Shift+Ctrl+A	Opt+Shift+Cmd+A
कैमरा रॉ फिल्टर (Camera Raw Filter)	Shift+Ctrl+A	Shift+Cmd+A
लेंस करेक्शन (Lens Correction)	Shift+Ctrl+R	Shift+Cmd+R
लिक्व्फाई (Liquify)	Shift+Ctrl+X	Shift+Cmd+X
वैनिशिंग प्वाइंट (Vanishing Point)	Alt+Ctrl+V	Opt+Cmd+V

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in